

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 1862

Unique Paper Code : 230102

F

Name of the Paper : Sociology of India-I

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sociology

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

**Note :** Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Four* questions.

*All* questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Discuss the limitation of the Brahmanical view of caste.

जाति के ब्राह्मणवादी परिप्रेक्ष्य की सीमितता का विवेचन कीजिए ।

2. Examine the character of the organized workforce in India.

भारत में व्यवस्थित श्रमिक बल के स्वरूप का परीक्षण कीजिए ।

P.T.O.

3. Compare and contrast the main features of the Northern and Southern kinship zones.

उत्तरी एवं दक्षिणी नातेदारी क्षेत्रों के प्रमुख लक्षणों की तुलना व भेद कीजिए ।

4. Has the tribe-caste continuum been a suitable concept for tribal studies ? What changes have they undergone in interacting with the wider community ?

क्या जनजाति-जाति सांत्त्यक जनजातीय अध्ययनों के लिए एक उचित अवधारणा रही है ? व्यापक समाज से मेल-जोल के कारण उनमें क्या बदलाव आए हैं ?

5. Has post-colonial ethnography provided new insights into the nature of Indian village communities ?

क्या उत्तर-औपनिवेशिक नृशास्त्र ने भारतीय ग्राम समुदायों की प्रकृति पर नवीन अंतर्दृष्टि प्रदान की है ?

6. Show how the Sikh identity is constructed with the help of five symbols ?

दर्शाइए कि पाँच प्रतीकों की सहायता से सिख अस्मिता का निर्माण किस प्रकार होता है ?